To Solve the Problem of Water Logging

8. **Sh. Balraj Kundu (Mehem):** Will the **Irrigation and Water Resources Minister** be pleased to state:-

Will the Chief Minister be pleased to state:-

a) the total acreage of land destroyed due to the water logging in the State as on date; and

b) whether there is any proposal under consideration of the Government to solve the problem of the water logging togetherwith the details thereof?

JAI PARKASH DALAL, AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE MINISTER, HARYANA

a) Sir, about 982740 acres in the State is affected with the twin problem of water-logging and salinity, out of which about 174470 acres is under critical condition (water table 0-1.5 m). The waterlogging & salinity lands can be reclaimed in 3-5 years through sub-surface drainage technology (SSD), vertical drainage technology (VD), bio-drainage and aquaculture depending upon the nature and extent of the problem. Most affected areas fall in the districts of Rohtak, Jhajjar, Bhiwani and Sonepat followed by Hisar, Jind, Fatehabad, Sirsa and Palwal, which fluctuate depending upon the rainfall.

b) Hon'ble Chief Minister, Haryana has announced to reclaim one lakh acre water logged and saline soils, which has been taken up for implementation during 2021-22 and onward. Department is targeting to complete reclamation of 25,000 acre by 31.03.2023 (through Sub Surface & Vertical Drainage technology with an estimated expenditure of Rs. 3584.38 lakh). A web portal *"सेम एवं कल्लर भूमि सुधार योजना"* has been developed for seeking willingness of the farmers to reclaim their waterlogged saline soils. 3617 farmers showed their interest to reclaim 20997 acres land on portal till date.

सेम की समस्या का समाधान

8. श्री बलराज कुंडू **(Mehem)**:

क्या **Irrigation and water Resources Minister** be pleased to state that:-

क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएगें क:-

क) आज तक राज्य में सेम की समस्या के कारण कुल कतनी भूम नष्ट हुई; तथा

ख) क्या सेम की समस्या का समाधान करने का कोई प्रस्ताव सरकार के वचाराधीन है तथा उसका ब्यौरा क्या है?

श्री जय प्रकाश दलाल, कृष एवं कसान कल्याण मंत्री, हरियाणा

क) महोदय, राज्य में लगभग 982740 एकड़ जल-भराव और लवणता (सेम) की दोहरी समस्या से प्रभावत है, जिसमें लगभग 174470 एकड़ (जल स्तर 0-1.5 मीटर) गंभीर स्थिति में है। समस्या की प्रकृति तथा वस्तार अनुसार प्रभावत क्षेत्र 3-5 वर्षों के भीतर सब-सरफेस ड्रेनेज टेक्नोलोजी, वर्टिकल ड्रेनेज टेक्नोलोजी, जैवक एवं मछली पालन द्वारा ठीक कया जाता है। जल-भराव और लवणता की समस्या सबसे ज्यादा जिला रोहतक, झज्जर, भवानी तथा सोनीपत प्रभावत हैं उसके बाद जिला हिसार, जीन्द, फतेहाबाद, सरसा और पलवल आदि आते हैं, जलमग्नता व लवणीयता का क्षेत्र वर्षा के अनुसार घटता-बढ़ता रहता है।

ख) माननीय मुखमंत्री, हरियाणा द्वारा 1.00 लाख एकड़ जल-भराव और लवणीय भूम के सुधार करने की घोषणा की गई, जिसका क्रयान्वयन वर्ष 2021-22 व आगे आने वाले वर्षो में कर लया जाएगा। वभाग 25,000 एकड़ भूम सुधार का का लक्ष्य (सब-सरफेस तथा वर्टिकल ड्रेनेज टैक्नोलोजी द्वारा जिस पर अनुमानित लागत 3584.38 लाख रूपये होगी) 31.03.2023 तक पूर्ण कर लेगा। एक वेब पोर्टल "सेम एवं कल्लर भूम सुधार योजना'' कसानों से उनकी जल ग्रस्त एवं लवणीय भूम के सुधार हेतू इच्छा जानने के लए वकसत कया गया। गया। 3617 कसानों ने अब तक इस पोर्टल पर अपनी इच्छानुसार भूम के सुधार सुधार हेतू 20997 एकड का पंजीकरण करवाया है।